प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय पंतनगर, जिला- ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

अभिनव बागवानी सम्मेलन के समापन सत्र में किसान व वैज्ञानिक हुए सम्मानित

पंतनगर। 30 मई 2019। पंतनगर विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय के उद्यान विज्ञान विभाग द्वारा 'अभिनव बागवानी एवं मूल्य श्रंखला प्रबंधन' विषय पर आयोजित तीन-दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन का समापन सत्र आज कृषि महाविद्यालय के सभागार में आयोजित हुआ। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि, अध्यक्ष, कृषि वैज्ञानिक चयन बोर्ड, डा. ए.के. मिश्रा, थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता पंतनगर विश्वविद्यालय के कुलपति, डा. तेज प्रताप, ने की। इस तीन-दिवसीय सम्मेलन का आयोजन पंतनगर विश्वविद्यालय द्वारा लेफ्टिनेंट अमित सिंह फाउंडेशन के तत्वाधान में कॉनफेडरेशन ऑफ हार्टीकल्चर ऐसोशिएशन ऑफ इण्डिया (सीएचएआई), नई दिल्ली, के सहयोग से किया गया।

डा. ए.के. मिश्रा ने अपने मुख्य अतिथि के संबोधन में कहा कि सम्मेलन के 14 सत्रों में जो चिंतन और मंथन हुआ है वह वैज्ञानिक, किसान और कृषि हितधारकों के लिए उपयोगी होगा। उन्होंने कहा कि देश में औद्यानिकी के लिए उपयुक्त जलवायु है और इस क्षेत्र में किसानों के लिए करने को बहुत कुछ है। डा. मिश्रा ने कहा कि आज आम आदमी की खाद्य टोकरी में खाद्यान्न की बड़ी जगह औद्यानिक उत्पादों ने ले ली है, जो स्वास्थ्य के लिए हितकारक है। उन्होंने कहा कि पिछ्ले कुछ दशकों में औद्यानिकी क्षेत्र में 2.7 प्रतिशत की वृद्धि हुयी है जबकि इन फसलों के उत्पादन में 24 प्रतिशत की वृद्धि हुयी है। इसके बावजूद भी औद्यानिकी के किसानों को अपने उत्पाद का सही मूल्य नही मिल पा रहा है, जिसके सामाधान की आवश्यकता है। डा. मिश्रा ने कहा कि किसानों को नयी एवं उच्च तकनीक, बीज व पौध रोपण, सामग्री तथा नयी किस्मों को उपलब्ध कराने के साथ-साथ तकनीकी हस्तान्तरण करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिकों और शोधकर्ताओं को किसानों की रूचि व बाजार मांग के अनुसार शोध करना चाहिए।

कुलपति, डा. तेज प्रताप ने अपने अध्यक्षीय भाषण में कहा कि इस तीन-दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में आयोजित किसान गोष्ठी एक विशिष्ट कार्यक्रम रहा। उन्होंने कहा कि औद्यानिकी क्षेत्र में विकसित की गयी तकनीकों में से केवल 5–10 प्रतिशत तकनीकों का ही किसान उपयोग करते हैं। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम के बाद उपस्थित किसान इन तकनीकों को अपने खेतों में प्रयोग करेंगे और अन्य किसानों को भी प्रयोग करने के लिए प्रेरित करेंगे।

प्रगतिशील कृषक, श्री सुरजीत कुमार चौधरी, ने इस अवसर पर अपने विचार प्रकट करते हुए कहा कि कृषि प्रधान देश होते हुए भी भारत में किसान आत्महत्या कर रहे है; इनके कारणों को जानना होगा। उन्होंने इजराईल और हॉलैड का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां किसानों को नयी तकनीकों से रूबरू कराया जाता है, जिसके बाद वे बड़े क्षेत्रों में उन्हें अपनाकर गुणवत्तायुक्त उत्पादन में वृद्धि करते हैं।

समापन सत्र में डा. जी. त्रिवेदी एवं डा. एच.पी. सिंह ने अमित सिंह, मेमोरियल फाउंडेशन के बारे में बताया। कार्यक्रम के प्रारम्भ में अधिष्ठाता कृषि, डा. जे. कुमार, ने सभी का स्वागत किया। इस कार्यक्रम में देश के विभिन्न राज्यों के प्रगतिशील किसानों को सम्मानित किया गया। सर्वोत्तम शोध पत्र व पोस्टर के लिए भी प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया। किसान गोष्ठी के दौरान किसान प्रश्नोत्तरी में विजेता किसानों को भी प्रमाण-पत्र एवं नकद राशि देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अन्त में डा. बबिता सिंह ने धन्यवाद ज्ञापन दिया।

अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन के समापन सत्र में अध्यक्षीय संबोधन करते कुलपति, डा. तेज प्रताप।

समापन सत्र में प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में प्रथम रहे किसान श्री नरेन्द्र मेहरा को प्रमाण-पत्र प्रदान करते मुख्य अतिथि डा. ए.के. मिश्रा।